

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, खाजूवाला जिला बीकानेर

पीठासीन अधिकारी :- पंकज गढ़वाल आर.ए.एस.

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या :- 126/2022

1. ओमप्रकाश पुत्र दुलाराम जाति जाट निवासी चक 5 केएलडी सीएडी कुण्डल तह: खाजूवाला
2. ज्ञानप्रकाश पुत्र दुलाराम जाति जाट निवासी चक 5 केएलडी सीएडी कुण्डल तह: खाजूवाला
3. टिकाराम पुत्र ज्ञानप्रकाश जाति जाट निवासी चक 5 केएलडी सीएडी कुण्डल तह: खाजूवाला
.....प्रार्थीगण

1. मोहनीदेवी पत्नी सुरजाराम जाति जाट निवासी चक 5 केएलडी सीएडी कुण्डल तह: खाजूवाला
2. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व खाजूवाला
3. बंशीदेवी पत्नी रतीराम जाति जाट निवासी 3 केवाईडी खाजूवाला
4. अनिता पुत्री रतीराम जाति जाट निवासी 3 केवाईडी खाजूवाला
5. सुनिता पुत्री रतीराम जाति जाट निवासी 3 केवाईडी खाजूवाला
6. धर्मपाल पुत्र रतीराम जाति जाट निवासी 3 केवाईडी खाजूवाला

.... अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए आरटीएक्ट

-: आदेश :-

दिनांक :- 23.12.25

प्रार्थना पत्र का सार इस तरह से है कि प्रार्थीगण की खातेदारी भूमि चक 5 केएलडी सीएडी मु0नं0 236/24 के किला नं0 1 ता 3, 8 ता 13, 19 ता 23 तादादी 3.7935 हैक्टर संयुक्त खाता में 1/3 खातेदारी दर्ज कागजात है जिसपर प्रार्थीगण लम्बे अरसे से लेकर आजतक काबिजे काशत है। मौके पर डिग्गी बनाकर का काशत कर रहे हैं तथा नरमा, ग्वार एवं हरे चारे की फसल काशत कर रखी है। चक 5 केएलडी सीएडी मु0नं0 236/32 के किला नं0 1, 10, 11, 20, 21 में कटानशुदा पक्की डामर सड़क बनी हुई है तथा कटान रास्ता है जो चक 5 केएलडी से चक 3 केएलडी आबादी को जाता है। प्रार्थीगण मु0नं0 236/32 के किला नं0 1 के कटान रास्ता से अपने खेत के किला नं0 3 में प्रवेश करते हैं। उक्त रास्ता 20 वर्षों से चल रहा है और किला नं0 3 तक दो-दो फीट मिट्टी भर्ती कर रास्ता उंचा किया गया था इसके अलावा कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। रास्ता की अत्यांतिक आवश्यकता है। फसल पकाव पर है और रास्ता का अभाव है। अपने खेत के किला नं0 में पक्की शाख से नक्का खाला है और अपने किला नं0 1 ता 3 से सीव पर कच्चा खाला से अप्रार्थी सं0 1 व अन्य काशतकार निर्बाधरूप से पानी ले रहे हैं। नक्शा मौका व फोटो मौका संलग्न प्रार्थनापत्र है। अप्रार्थी सं0 1 की सहमति से रास्ता 20 वर्षों से चल रहा था तो उसी मुताबिक प्रार्थीगण ने किला नं0 3 में उतरी सीव पर कच्चा खाला के अलावा 17-18 फीट भूमि छोड़कर पक्की डिग्गी का निर्माण कर लिया जहा से ट्रेक्टर द्वारा पम्प लगाकर पानी खेत में दिया जा रहा है। लेकिन अप्रार्थी सं0 1 ने दिनांक 11.08.22 की रात्रि को ट्रेक्टर से करावा चलाकर चलते रास्ता को समतल कर दिया जिससे प्रार्थीगण अपने वाहन सहित खेत में कैद होकर रह गया तो एक प्रार्थनापत्र अप्रार्थी सं0 2 को दिनांक 12.08.22 को दिया की चालू रास्ता को खुलवाया जावे तथा सम्पर्क पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई तो पटवारी हल्का ने रूबरूगवाहान मौका देखा और तहसीलदार खाजूवाला को रिपोर्ट कर दी और तहसीलदार खाजूवाला ने कहा सक्षम न्यायालय से रास्ता कटान करवावावें। चक 5 केएलडी सीएडी मु0नं0 236/32 के किला नं0 1, 10, 11, 20, 21 में कटानशुदा पक्की डामर सड़क रास्ता है लेकिन मु0नं0 236/24 के किला नं0 4, 5 में 02-02 बिस्वा अप्रार्थी सं0 1 के नाम दर्ज है। प्रार्थीगण मु0नं0 236/32 के किला नं0 1 के कटान रास्ता से मु0नं0 236/24 के किला नं0 4, 5 से 02-02 बिस्वा उतरादी सीव पर रास्ता से अपने खेत के किला नं0 3 में प्रवेश करते हैं। उक्त रास्ता 20 वर्षों से चल रहा है जिसको अप्रार्थी सं0 1 ने जबरन बंद कर दिया है। धारा 251 ए के तहत वर्तमान डीएलसी दर से 02-02 बिस्वा भूमि की कीमत देने को तैयार है। चक 5 केएलडी मु0नं0 236/32 के किला नं0 1 के कटान रास्ता से मु0नं0 236/24 के किलानं0 5,4 में 02-02 बिस्वा यानी 0.02530-0.02530 हैक्टर कुल 0.05060

हैक्टर उतरादी सीव पर रास्ता पूर्व से पश्चिम स्वीकार कर गैर मुमकिन रास्ता खेत राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने का आदेश फरमाने का निवेदन किया है।

पत्रावली दर्ज रजिस्टर होने के बाद अप्रार्थी सं० 1 को पक्ष रखने हेतु नोटिस जारी किया गया जिसपर अप्रार्थी सं० 1 की ओर से अधिवक्ता श्री रामकुमार तेतरवाल हाजिर आकर जवाब प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया जिसके अनुसार प्रार्थीगण लम्बे समय से अपनी वादगत भूमि में प्रवेश करने के लिए अपनी चिपती भूमि मु०नं० 236/23 जो इनके स्वयं के नाम होने व सहकाश्तकार होने से मु०नं० 236/23 के किला नं० 24, 25 से होकर अपने खेत में प्रवेश करते आ रहे हैं। प्रार्थीगण ने यहां से पंचायती कर रास्ता मांगा परन्तु हमारे परिवार की भूमि होने से किला नं० 24, 25 में 02-02 बिस्वा रास्ता देने को तैयार है तथा उक्त भूमि के बदले में भूमि लेना चाहते हैं परन्तु प्रार्थीगण ने इसी जगह रास्ता लेने की जिद कर रखी है। मु०नं० 236/24 के किला नं० 4,5 में सिंचाई हेतु खाला बना हुआ है। जिससे अप्रार्थीया व सह काश्तकारों को सिंचाई सुविधा में परेशानी का सामना करना पड़ेगा तथा प्रार्थीगण ने भी आगे डिग्गी बना रखी है। उसमें से आगे जाने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उक्त वादगत भूमि को रास्ता या तो मु०नं० 236/23 के किला नं० 24, 25 में दिया जावे या हमारी इसी मुरब्बा के किला नं० 24, 25 जो मेरे पोते, पोती, बहु के नाम है। उसमें भूमि के बदले भूमि देकर कटान करने का आदेश प्रदान करावें। अप्रार्थी सं० 3, ता 6 बंशीदेवी, अनिता, सुनिता, धर्मपाल ने जरिये अधिवक्ता श्री रामकुमार तेतरवाल प्रार्थनापत्र आदेश 01 नियम 10 सीपीसी प्रस्तुत किया जो स्वीकार कर पत्रावली में पक्षकार बनाया गया। अप्रार्थी सं० 3 ता 6 की ओर से अधिवक्ता ने सहमति पत्र प्रस्तुत किया जिसके अनुसार प्रार्थीगण द्वारा 236/24 के किला नं० 4, 5 प्रत्येक में 02-02 बिस्वा रास्ता हेतु मांग की गई है। लेकिन हम मिकरान के उक्त किला नं० 4,5 की सीव पर सिंचाई खाला बना हुआ है तथा फसल काश्त की हुई है, जिसके कारण यहां रास्ता कटाने किये जाने से हम मिकरान को सिंचाई सुविधा करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा व खड़ी फसल नष्ट हो जाएगी तथा किला नं० 03 में प्रार्थीगण द्वारा पक्की डिग्गी मय खाला का निर्माण किया हुआ है, इसलिए उक्त रास्ता आगे नहीं जा सकता है इसलिए हम मिकरान अपने रकबा के किला नं० 25, 24 प्रत्येक में 02-02 बिस्वा यानि 0.0253- 0.0253 हैक्टर भूमि के बदले भूमि लेकर रास्ता हेतु भूमि देने को तैयार है, जिसके लिए सहमति पत्र लिखकर दे रहे हैं।

तहसीलदार खाजूवाला के पत्रांक/तखा/रीडर/22/791 दिनांक 02.12.22 द्वारा रास्ता प्रस्ताव/रिपोर्ट प्राप्त हुई जिसमें मु०नं० 236/24 के किला नं० 4, 5 में रास्ता प्रस्तावित किया। अप्रार्थीगण ने तहसीलदार खाजूवाला से दुबारा रिपोर्ट मंगवाने हेतु निवेदन किया जिसपर पुनः रिपोर्ट तहसीलदार खाजूवाला के पत्रांक/तखा/राजस्व/2025/1043 दिनांक 31.07.25 द्वारा प्रस्तुत हुई जिसके अनुसार चक 5 केएलडी मु०नं० 236/24 के किला नं० 4, 5 में कुछ समय पूर्व रास्ता आम सहमति से सुचारू रूप से चलता था परन्तु वर्तमान में मौके पर बंद है। उक्त प्रकरण में प्रार्थी ओमप्रकाश द्वारा चाहा गया किलानं० 4, 5 में रास्ता प्रार्थी के मु०नं० 236/24 के किला नं० 03 में बनी डिग्गी के नजदीक लगता है। मौके पर वर्तमान में मु०नं० 236/24 के किला नं० 24, 25 वर्तमान में खाली पड़त है। किला नं० 25 में पूर्व में दाह-संस्कार किया हुआ है। पत्रावली पर सुना गया प्रार्थी अधिवक्ता ने दौराने बहस प्रार्थनापत्र के कथनों को दोहराते हुवे निवेदन किया कि किला नं० 4, 5 में रास्ता पूर्व में चलता था वहीं रास्ता राजस्व रिकॉर्ड में कटान किया जावें एवं रास्ता भूमि के प्रतिफल में भूमि देने का प्रावधान धारा 251 ए आरटीएक्ट के प्रावधानों में नहीं है इसलिए प्रार्थी का प्रार्थनापत्र स्वीकार फरमाया जावें। अप्रार्थीगण अधिवक्ता ने निवेदन किया कि किला नं० 24, 25 में सहमति से रास्ता कटान करवाने के लिए तैयार है एवं रास्ता भूमि के बदले प्रतिफल स्वरूप भूमि दे दी जावे। किला नं० 04, 05 में रास्ता कटान करने से वाद विवाद और बढ़ेगे। अतः प्रार्थी का प्रार्थनापत्र खारिज फरमाया जावें।

पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात व तहसीलदार खाजूवाला रिपोर्ट के अवलोकन, अध्ययन व बहस पर मनन किया गया। चूंकि चक 5 केएलडी मु0नं0 236/24 के किला नं0 04 ,05 में पूर्व में रास्ता चलायमान रहा है और चलायमान रास्ते को बंद किया जाना न्यायोचित नहीं है। धारा 251 ए आरटीएक्ट के रास्ता कटान प्रावधान में रास्ता भूमि के प्रतिफल में भूमि देने का प्रावधान नहीं है। इसलिए अप्रार्थीगण का जवाब प्रार्थनापत्र/सहमति पत्र स्वीकार के काबिल नहीं है। अतः अदालत का यह फैसला है कि काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 ए के तहत प्रहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हुवे तहसीलदार खाजूवाला की रिपोर्ट के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा चक 5 केएलडी सीएडी मु0नं0 236/24 के किला नं0 04-05 में 02-02 बिस्वा उतरादी सीव पर पूर्व से पश्चिम रास्ता खेत गैरमुमकिन राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जावे। तहसीलदार राजस्व, खाजूवाला उक्त 2-2 बिस्वा कुल 04 बिस्वा भूमि की डीएलसी से दुगुनी राशि प्रार्थी से नियमानुसार जमा करवाकर इस रास्ता के रकबे को गैर मुमकिन रास्ता के तौर पर नियमानुसार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें। तहसीलदार राजस्व खाजूवाला आदेश की पालना सुनिश्चित करें पत्रावली फ़ैसलशुमार होकर दाखिल-दफ़तर हो।

निर्णय आज दिनांक 23.12.25 को सरे इजलास सुनाया गया।

(पंकज गढ़वाल),
(आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी,
(खाजूवाला)